सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 162 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 19 जुलाई, 2023

प्रकृति खुद में सबसे अच्छी चिकित्सक है।
-हिप्पोक्रेटीस

मूल्य ₹ 3/-

एशियाई कुश्ती में सीधे दांव लगाएंगे... 7 | लोस चुनाव-24 के लिए मोर्चेबंदी... 3 | किस अधिकार से सिसोदिया ने बदले... 2

विपक्ष के गठबंधन इंडिया नाम पर सियासत गरमाई

» भाजपा बौखलाई, कहा- अंग्रेजों ने रखा था नाम

» कांग्रेस बोली-पीएम भी करते इंडिया के नाम का इस्तेमाल

» टैगलाइन 'जीतेगा भारत'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विपक्ष के गठबंधन का नाम इंडिया रखने पर भाजपा बौखला गई है। इस नाम को लेकर सियासत भी जोरशोर से होने लगी है। बीजेपी इस नाम को अंग्रेजों से जोड़ रही है तो कांग्रेस कह रही है प्रधानमंत्री के हर योजना में इंडिया जुड़ा है तो क्या उस पर भी सवाल उठाया जाएगा।

वहीं अपने गठबंधन के लिए 'इंडिया' नाम चुनने की घोषणा के एक दिन बाद विपक्षी दलों ने 2024 लोकसभा चुनाव के मद्देनजर इसके लिए 'जीतेगा भारत' टैगलाइन को चुना है। सूत्रों ने बताया कि इस टैगलाइन को संभवत: विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में भी अनुवाद करके इस्तेमाल किया जाएगा। एक वरिष्ठ नेता ने कहा, 'इसे टैगलाइन में इस्तेमाल करने का फैसला किया गया।' कई नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि कई नेताओं के संयुक्त प्रयासों से यह टैगलाइन चुनी गई।

इंडिया के नाम का विरोध करने वाले देशभक्त नहीं : राउत

नाम के विरोध कर रही बीजेपी पर शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने हमला बोला और कहा कि इंडिया नाम पर विवाद करने वाले देशभक्त नहीं हैं। राउत ने कहा, क्या वे लोग जो कहते हैं कि मोदी इज इंडिया, क्या ये इंडिया का अपमान नहीं है, प्रधानमंत्री जो खुद को कहते हैं कि वे भारत हैं, ये गलत है, उन्हें ये समझने की जरूरत है कि मोदी भारत नहीं हैं, देश का हर एक नागरिक इंडिया है। संजय राउत ने पीएम पर निशाना साधते हुए कहा, आप देश में जो तानाशाही का माहौल बना रहे हैं उसके खिलाफ इंडिया चुनाव लड़ेगा और चुनाव जीतेगा।

औपनिवेशिक विरासत को फिर लाए : बिस्वा सरमा

अपने गठबंधन का नाम इंडिया यानी भारतीय राष्ट्रीय विकास समावेशी गठबंधन रखने के लिए विपक्षी दलों पर कटाक्ष करते हुए सीएम सरमा ने दावा किया कि यह अंग्रेज थे जिन्होंने देश का नाम इंडिया रखा था और औपनिवेशिक विरासत को हटाने के लिए लड़ना चाहिए। असम के मुख्यमंत्री और बीजेपी नेता हिमंता बिस्वा सरमा ने तो अपने ट्विटर बॉयो से ही इंडिया हटा दिया।

पीएम से पूछें योजनाओं में क्यों जोड़ा इंडिया : जयराम

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने 19 जुलाई को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के इंडिया वाले बयान को लेकर उन्हें निशाने पर लिया है। उन्होंने कहा कि उन्हें इसके बजाय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से पूछना चाहिए कि देश भर में विभिन्न योजनाओं के लिए इंडिया जैसे नाम किसने दिए। उन्होंने कहा कि क्या असम के सीएम के मुंह में खट्टे अंगूरों की भरमार है? उनके नए गुरु, पीएम मोदी ने हमें डिजिटल इंडिया, स्टार्ट-अप इंडिया और डिजिटल इंडिया कार्यक्रमों के लिए सभी नए नाम दिए। (मोदी ने) विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों से टीम इंडिया के रूप में मिलकर काम करने को कहा।

इंडिया पर फंसेगा कानूनी पेंच

द एम्बलम एवट ऑफ इंडिया, प्रोहिबिशन एंड प्रॉपर एवट यूज 2005, जो 1950 से था, पर 2005 में इसे संशोधित-परिवर्द्धित किया गया। इस एवट में पूरी तरह साफ है कि किन नामों का आप इस्तेमाल कर सकते हैं, किनका नहीं? उसमें एक नाम भारत (इंडिया) भी है। अगर कोई पॉलिटकल पार्टी या अलायंस इस नाम का इस्तेमाल करती है, तो वह चिंता का विषय है। एम्बलम एवट की परिभाषा में यह साफ लिखा है कि एम्बलम का मतलब है, जैसा राज्य में वर्णित है। उसका एवट 3 कहता है कि कोई भी दूसरा पक्ष वह नाम नहीं रख सकता।

मॉनसून सत्र कल से, मोदी सरकार को घेरने की तैयारी

» मणिपुर हिंसा, रेल सुरक्षा, महंगाई का मुद्दा उठाएगा विपक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कल से शुरू हो रहे संसद के मॉनसून सत्र की शुरुआत हंगामेदार होने के आसार है। विपक्ष ने जनता से जुड़े मुद्दों पर मोदी सरकार को घेरने की पूरी तैयारी की है। विपक्षी दलों ने मणिपुर हिंसा, रेल सुरक्षा, महंगाई और अडाणी मामले पर जेपीसी गठित करने की मांग समेत अन्य मुद्दों पर सरकार के लिए कड़े सवाल बनाए हैं जिसे वह सदन में उठाएंगे।

संसद के 20 जुलाई से शुरू होने जा रहे मॉनसून सत्र से एक दिन पहले बुधवार (19 जुलाई) को सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई। इस बैठक में सत्र को सुचारू रूप से चलाने के लिए सभी दलों के साथ चर्चा होगी। 19 जुलाई को संसद के मानसून सत्र की पूर्वसंध्या पर दोनों सदनों के सभी राजनीतिक दलों के नेताओं की बैठक दोपहर 3 बजे संसदीय ग्रंथालय भवन में बुलाई गई है।

दोनों सदनों की कुल 17 बैठकें होंगी

संसद के मॉनसून सत्र की शुरुआत 20 जुलाई को होगी और यह 11 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान संसद के दोनों सदनों की कुल 17 बैठकें प्रस्तावित हैं। एक ओर जहां सत्ता पक्ष महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराने का प्रयास करेगा। लोकसभा सचिवालय के एक बुलेटिन में कहा गया कि संसद के मॉनसून सत्र या 17वीं लोकसभा के 12वें सत्र के दौरान लिए जाने वाले सरकारी कार्यों की संभावित सूची में 21 नए विधेयकों को पेश व पारित करने के लिए शामिल किया गया है। इसमें दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार संशोधन विधेयक 2023 भी शामिल है। यह विधेयक संबंधित अध्यादेश का स्थान लेने के लिए पेश किया जाएगा। आम आदमी पार्टी इस मुद्दे को लेकर सरकार पर निशाना साध रही है।

वैवाहिक दुष्कर्म पर सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

» अपराध घोषित करने की मांग वाली याचिका पर तीन जजों की पीठ करेगी सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वैवाहिक दुष्कर्म को अपराध घोषित करने से संबंधित याचिकाओं पर जल्द ही सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। शीर्ष अदालत ने बुधवार को कहा कि संवैधानिक पीठों द्वारा कुछ सूचीबद्ध याचिकाओं पर सुनवाई पूरी करने के बाद तीन न्यायाधीशों की पीठ वैवाहिक दुष्कर्म को अपराध घोषित करने से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई करेगी।

वरिष्ठ वकील इंदिरा जयसिंग ने सुनवाई के लिए मामले का उल्लेख किया जिसके बाद मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा, हमें वैवाहिक दुष्कर्म से संबंधित मामलों को हल करना होगा। मेरा मामला बाल यौन शोषण मामले से संबंधित है। इसपर सीजेआई ने कहा कि इन मामलों की सुनवाई तीन न्यायाधीशों की पीठ द्वारा की जानी है और पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ द्वारा कुछ सूचीबद्ध मामलों की सुनवाई समाप्त करने के बाद इन्हें सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। वर्तमान में सीजेआई की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ मोटर वाहन अधिनियम के तहत विभिन्न प्रकार के वाहनों के लिए ड्राइविंग लाइसेंस देने के नियमों से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है।

भाजपा का मिलकर करेंगे सफाया

» जिस राज्य में जो क्षेत्रीय शक्ति मजबूत है, उसी के नेतृत्व में लोस चुनाव लड़ा जाए : रामगोपाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि सभी दल मतभेद भूलकर को भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए साथ आए हैं। सभी पार्टियां एकमत हैं उन्हें उनके लक्ष्य से अब कोई नहीं डिगा सकता है। सूबे में सबसे बड़ी पार्टी समाजवादी पार्टी लोकसभा चुनाव के लिहाज से यूपी में विपक्षी गठबंधन की कमान अपने पास रखना चाहती है।

इंडिया (समावेशी भारतीय राष्ट्रीय जनवादी गठबंधन) के बंगलुरु सम्मेलन में सबसे पहले इस बात पर सहमति बनी कि विभिन्न राज्यों में घटक दलों में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन इन मतभेदों को दरकिनार करते हुए भाजपा को हराने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ना है। यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव के भी संबोधन का फोकस यही था कि हम एक होकर आगे बढ़ेंगे। सपा के प्रमुख महासचिव प्रो. रामगोपाल ने कहा कि जिस राज्य में

अखिलेश बोले-एनडीए अलीबाबा और 40 चोरों की तरह

जो क्षेत्रीय शक्ति मजबूत है, उसी के नेतृत्व में लोकसभा चुनाव लड़ा जाए। जाहिर है कि सपा गठबंधन सहयोगियों के बीच यूपी में सीटों के बंटवारे में अपना हाथ ऊपर रखना चाहती है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एनडीए की तुलना कहानी अलीबाबा और 40 चोर से की। उन्होंने ट्वीट करके कहा-वो 2 और जोड़ लेते तो 38+2=40 पूरे हो जाते, सबने वो पुरानी कहानी तो सुनी होगी? अखिलेश ने कहा कि भारतीय इतिहास 18 जुलाई के दिन को देशभक्ति और सकारात्मक राजनीतिक के बंगलुरु आंदोलन के दिन के रूप में याद रखेगा। उन्होंने कहा कि देश की दो-तिहाई जनता भाजपा के खिलाफ है। इस बार भाजपा के सफाये के लिए सब एक हैं। चुनाव के साझा कार्यक्रम में यह कहना होगा कि हम जातिवार जनगणना के समर्थन में हैं। सत्ता मिलने पर यह करके दिखाएंगे, ताकि सबको उनकी आबादी के अनुपात में देश के संसाधनों में हिस्सा मिल सके। इंडिया के बंगलुरू में हुए दूसरे सम्मेलन में सीटों के बंटवारे के फार्मूले पर सीधे कोई बातचीत नहीं हुई, लेकिन नेताओं ने अलग-अलग इन मुद्दों पर चर्चा जरूर की। माना जा रहा है कि यूपी में गठबंधन के तहत कांग्रेस 15-20 लोकसभा सीटों पर मान सकती है। शेष सहयोगी दलों के बीच सीट बंटवारे की जिम्मेदारी सपा को सौंपी जा सकती है।

छोटे दलों का सम्मान कम न हो : जयंत

विपक्षी मोर्चा इंडिया के बंगलुरु सम्मेलन में जातिवार जनगणना पर भी सभी दल सहमत दिखे। रालोद ने गठबंधन कायम रखने के लिए छोटे दलों का भरोसा न तोड़ने की नसीहत बड़े दलों को दी तो अपना दल (कमेरावादी) ने ओबीसी हितों को आगे रखकर चुनाव मैदान में कूदने का सुझाव दिया। रालोद के जयंत चौधरी के मन में यह आशंका दिखी कि राष्ट्रीय दल चुनाव से पहले छोटे क्षेत्रीय दलों का साथ तो ले लेते हैं, लेकिन चुनाव के बाद उनकी तरफ अपेक्षित ध्यान नहीं देते। सूत्रों के मुताबिक, जयंत ने बैठक में कहा कि बड़े दलों को यह प्रयास करना चाहिए कि उन पर भरोसा कायम रहे। ऐसा न हो कि चुनाव बाद छोटे दलों को साइड लाइन करने की कोशिश की जाए। अपना दल (कमेरावादी) के राष्ट्रीय महासचिव पंकज निरंजन ने कहा कि अन्य पिछड़े वर्गों की आकांक्षाओं पर इंडिया को खरा उतरना होगा।

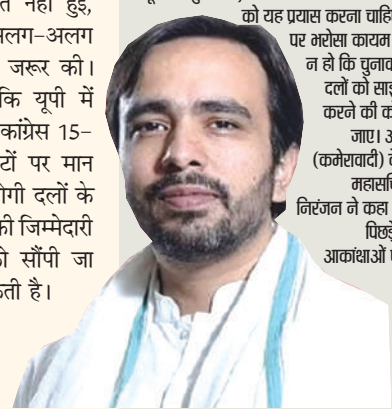

पूरी ताकत से जुटें कांग्रेसजन : खाबरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस लोकसभा की सभी सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। इसके लिए लगातार रणनीति बनाई जा रही है। पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने कहा कि अब ज्यादातर दल दो ध्रुवों में बंट गए हैं। इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस (इंडिया) की घोषणा हो चुकी है। यह अनुकूल वक्त है। ऐसे में सभी कांग्रेसजन पूरी ताकत से एकजुट हों। पूर्व मंत्री नकुल दुबे ने कहा कि हर वर्ग के लोग कांग्रेस का हाथ थामने के लिए तैयार हैं। सीटों की प्राथमिकता तय कर पदाधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

यह फैसला प्रदेश कार्यालय में पार्टी पदाधिकारियों व पूर्व प्रत्याशियों की बैठक में लिया गया। बैठक में आए पूर्व प्रत्याशियों ने कहा कि लोकसभा चुनाव जीतने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। क्योंकि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से लोगों में काफी उत्साह है। बैठक में कनिष्क पांडेय, वीरेंद्र मदान, द्विजेंद्र त्रिपाठी, ओंकारनाथ सिंह, सुशील पासी, अशोक सिंह, अमरनाथ अग्रवाल आदि ने संबोधित किया। बैठक का संचालन पूर्व संगठन सचिव विजय बहादुर ने किया।

लोग हैं परेशान, सरकार कर रही सिर्फ लीपापोती : सचदेवा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा ने बाढ़ के बाद राहत कार्य को लेकर दिल्ली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार सिर्फ लीपापोती कर रही है। जल संयंत्र चालू होने के बावजूद दिल्ली के दो तिहाई इलाकों में पानी का संकट है। जल संयंत्र के नजदीक जो इलाके हैं, वहां भी पानी की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। जिन इलाकों में थोड़ा बहुत पानी पहुंच भी रहा है तो वह मटमैला है, जिससे लोग बीमार पड़ रहे हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कमला नगर तो ओखला प्लांट के नजदीक दक्षिण दिल्ली के ग्रेटर कैलाश, कालकाजी से लेकर मालवीय नगर तक पानी की आपूर्ति नहीं होने से लोग परेशान हैं।

वहीं दक्षिण पश्चिम दिल्ली के महरौली से बिजवासन तक, पटेल नगर से नजफगढ़ तक पानी का संकट है। समस्या की निदान की

जगह सरकार सिर्फ राजनीति कर रही है।

राजनीति कर रही बीजेपी: आप

उधर आप ने कहा कि बीजेपी बस राजनीति कर रही है। सरकार ने तेजी से बाढ़ पीड़ित क्षेत्रों में आपदा के कार्य में तेजी लाई है। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रही है। राहत सामग्री व रोजमर्रा की चीजें मुहैया कराई जा रही है। धीरे-धीरे सब कुछ पटरी आ रही है। मुखर्जी नगर, भाई परमानंद कॉलोनी, इंदिरा विहार, नेहरू विहार समेत आसपास के इलाकों में दो दिनों बाद पानी की आपूर्ति शुरू हो गई है।

कमलनाथ ने देश से किया धोखा : भाजपा

» 1976 में न्यूक्लियर डील की गोपनीय जानकारी अमेरिका को दी : वीडी शर्मा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा ने विकीलीक्स केबल्स के हवाले से कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ को घेरा है। भाजपा ने विकीलीक्स की रिपोर्ट के हवाले से कमलनाथ पर 1976 में अमेरिका को न्यूक्लियर डील की गोपनीय जानकारी देने का आरोप लगाया है।

विकीलीक्स के पब्लिक लाइब्रेरी ऑफ यूएस डिप्लोमेसी के डॉक्यूमेंट को भाजपा नेताओं ने सोशल मीडिया पर शेयर किया। इसे लेकर हड़कंप मचा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा समेत कई नेताओं ने कमलनाथ पर निशाना साधा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि कमलनाथ ने देश के साथ धोखा किया है। विकीलीक्स पर कमलनाथ जवाब दें।

एनडीए 330 लोकसभा सीटें जीतेगी : पलानीस्वामी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई/नई दिल्ली। एआईएडीएमके महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी ने बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) देशभर में 330 लोकसभा क्षेत्रों में विजयी होगा। पलानीस्वामी ने पत्रकारों से बात करते हुए यह टिप्पणी की। जब उनसे पूछा गया कि क्या मूल्य वृद्धि जैसे कारकों को देखते हुए 50 प्रतिशत से अधिक वोट शेयर हासिल करना संभव है, तो पलानीस्वामी ने कहा कि देश ने कोरोनावायरस महामारी जैसे पहलुओं के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास देखा है।

साथ ही उन्होंने कहा कि दुनिया की कई अर्थव्यवस्थाओं को चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जबकि भारत में ऐसा नहीं था क्योंकि एनडीए द्वारा चुनौतियों से अच्छी तरह निपटा गया। दुनिया भर में मोदी के नेतृत्व में

देश की प्रतिष्ठा बढ़ी है। उन्होंने कहा कि एनडीए के नेतृत्व वाले केंद्र ने युवाओं की जरूरतों को समझते हुए काम किया और निश्चित रूप से गठबंधन 2024 के लोकसभा चुनावों में 330 लोकसभा सीटें जीतेगा। बता दें कि लोकसभा में कुल 543 सीटें हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या भाजपा के सहयोगी आम चुनाव तक गठबंधन में कायम रहेंगे, उन्होंने कहा, इस सवाल की कोई गुंजाइश नहीं है।

किस अधिकार से सिसोदिया ने बदले प्रोजेक्ट

» केके मिश्रा ने मप्र के पंचायत मंत्री पर लगाए भ्रष्टाचार के आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके मिश्रा ने कहा कि शिवराज सरकार के पंचायत मंत्री महेंद्र सिंह सिसोदिया भारत सरकार द्वारा स्वीकृत प्रोजेक्ट को राज्य स्तर पर बदल कर भ्रष्टाचार किया है। उन्होंने कहा कि मंत्री बताए कि भारत सरकार द्वारा स्वीकृत प्रोजेक्ट को राज्य स्तर पर बदलने के अधिकार उन्हें कब प्राप्त हुए? वे यह भी बतायें कि एसीएस और पीएस का प्रस्ताव प्राप्त हुए बिना उन्होंने संचालक, पंचायती राज संस्थान के प्रस्ताव पर प्रशासकीय अनुमोदन किस हैसियत से किस नियम और किसके आदेश से दे दिया?

मंत्रीजी यह भी बतायें कि वर्ष 2022 में राशि खर्च हो रही थी, फिर 2021 में यूटिलाइजेशन सर्टिफिकेट भेजने का आधार क्या है? सामान्य, अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग पर ट्राइबल फंड की राशि किस नियम से खर्च की गई। कांग्रेस ने कहा कि हम मंत्री सिसोदिया पर लगाए अपने आरोपों पर कायम है।

राहुल-सोनिया की फ्लाइट की भोपाल में इमरजेंसी लैंडिंग

भोपाल। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी की फ्लाइट की भोपाल के राजा भोज एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। फ्लाइट में तकनीकी खराबी के चलते यह फैसला लेना पड़ा। सोनिया और राहुल ने बेंगलुरु में विपक्षी दलों की बैठक में भाग लिया और वहां से दिल्ली लौट रहे थे, जब फ्लाइट ने धोखा दे दिया। दोनों नेता करीब डेढ़ घंटा भोपाल में रहे। इस दौरान भोपाल के कुछ कांग्रेस नेता भी उनसे मिलने एयरपोर्ट पहुंचे। ता भोपाल एयरपोर्ट पर रहे।

हमेशा झूठ बोलते हैं दिग्विजय : सिसोदिया

कांग्रेस के आदिवासी समाज के प्रशिक्षण की केंद्र की राशि में भ्रष्टाचार के आरोप पर मंत्री महेंद्र सिंह सिसोदिया ने कांग्रेस और दिग्विजय सिंह पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के झूठे मिथ्या आरोपों के लिए मानहानि का केस दर्ज करवाएंगे। पंचायत मंत्री महेंद्र सिंह सिसोदिया ने कहा कि कांग्रेस नेता जयवर्द्धन सिंह और उनके पिताजी दिग्विजय सिंह ने हमेशा झूठे आरोप लगाने और चरित्र हनन की राजनीति की है। कांग्रेस नेता उमंग सिंगार भी कई बार दिग्विजय सिंह के बारे में स्पष्ट कर चुके है। मंत्री सिसोदिया ने कहा कि कांग्रेस के पास अब कोई काम नहीं बचा है। इसलिए वह चरित्र हनन की राजनीति कर रही है। मंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने महात्मा गांधी ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज संस्थान जबलपुर (एसआईआरडी) के तहत प्रशिक्षण में अनियमितता का आरोप लगाया था। जबकि एसआईआरडी द्वारा आदिम जाति कल्याण विभाग से विधिवत अनुमति और शर्तों को पूरा करते हुए काम किया है। उन्होंने बताया कि एसआईआरडी स्वायत्तशासी संस्थान है जो कि जनजाति वर्ग के बच्चों को प्रशिक्षण देने का काम करती है। जिसका चेयरमेन विभागीय मंत्री और एसईएस व पीएस उपाध्यक्ष होते है। सचिव संस्थान का डायरेक्टर होता है।

लोस चुनाव-24 के लिए मोर्चेबंदी शुरू

भाजपा सरकार को तीसरी बार सत्ता से रखेंगे दूर

» विपक्ष ने बनाई मोदी को घेरने की रणनीति

» इंडिया बनाम एनडीए में होगी जंग

» जनता के बीच जाएंगे विपक्ष के नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 2024 लोकसभा चुनाव के लिए सत्ता पक्ष व विपक्ष ने मोर्चेबंदी शुरू कर दी है। बेंगलुरू में 26 विपक्षी दलों ने मोदी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए कमर कस ली है। विपक्ष ने भाजपा के एनडीए को घेरने के लिए अपने गठबंधन का नाम इंडिया करने का एलान किया है। कांग्रेस के साथ एकजुट हुए देश के लगभग सभी क्षेत्रीय दलों ने भाजपा की गलत नीतियों के खिलाफ हल्ला बोलने का संकल्प लिया है। वंही बीजेपी ने विपक्ष के गठबंधन को स्वार्थ का गठबंधन बताया है। खैर यह तो चुनावों के बाद ही पता चलेगा कि जनता किसको अपना समर्थन देती है पर एकबात तो साफ है 24 की लोकसभा चुनाव की लड़ाई बहुत जोरदार होने वाली है।

एकतरफ कांग्रेस की लीडरशीप में 26 दल है तो दूसरी तरफ भाजपा खेमे 38 सहयोगी हैं। कौन सा गठबंधन भारी पड़ेगा ये तो चुनाव परिणाम के बाद पता चलेंगे पर दोनों ही खेमों ने अपने योद्धाओं को तैयार करना शुरू कर दिया। कुछ दिनों मुद्दे रुपी हथियार भी सियासी मैदान में लहराने लगेंगे । चुनावी मैदान में भले ही राजनैतिक दल आमने-सामने लड़ेंगे पर असली युद्ध तो विचारों की होगी। आने वाला समय बताएगा कि आम सत्ता पक्ष के साथ जाती है या विपक्ष के साथ । गौरतलब हो कि अब यूपीए का नाम बदलकर इंडिया कर दिया गया है। इसके संकेत भी विभिन्न दलों के नेताओं की ओर से किए जा रहे ट्वीट से मिलने लगे हैं। इन सबके बीच विपक्षी एकता ने अपने नए नाम की घोषणा कर दी है। पहले माना जा रहा था कि यूपीए के तहत विपक्षी एकता के बैठक हो रही है। हालांकि, अब यूपीए का नाम बदलकर इंडिया कर दिया गया है। इसके संकेत भी विभिन्न दलों के नेताओं की ओर से किए जा रहे ट्वीट से मिलने लगे हैं। विपक्षी खेमे का नाम आईएनडीआईए (इंडिया) सुझाया गया है उसका मतलबे है, आई -इंडियन, एन-नेशनल,डी -डेमोक्रेटिक,आई-इंक्लूसिव,ए-एलायंस। भारतीय राष्ट्रीय जनतांत्रिक समावेशी गठबंधन के नाम से जाना जाएगा। अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव में बीजेपी तीसरी बार सत्ता पर काबिज होने का दावा कर रही है तो लगातार दो बार से मात खा रहा विपक्ष इस बार करो या मरो के मूड में दिख रहा है। विपक्ष को एड़ी-चोटी का जोर लगाते देखकर बीजेपी ने भी अपने गठबंधन दलों का कुनबा बढ़ाने पर गंभीरता से कदम बढ़ा दिया है। दोनों खेमों के बीच अपनी-अपनी ताकत बढ़ाने की पुरजोर कोशिशों का ही नतीजा है कि आज विपक्ष जहां बेंगलुरु में पटना मीटिंग से आगे का खाका खींचने के लिए जुटी, तो बीजेपी देश की राजधानी दिल्ली में 38 दलों के साथ अपने बढ़ते कुनबे का प्रदर्शन किया।

अपराध पर इनकी जुबान बंद हो जाती है : मोदी

बेंगलुरु में हो रही विपक्ष की बैठक को लेकर पीएम ने कहा, ये जो जमात इकट्ठी हुई है, उनके कुनबे में बड़े से बड़े घोटालों पर, अपराधों पर इनकी जुबान बंद हो जाती है। जब किसी एक राज्य में इनके कुशासन की पोल खुलती है, तो दूसरे राज्यों के ये लोग फौरन उसके बचाव में तर्क देने लगते हैं। पीएम मोदी ने विपक्ष की बैठक पर तंज कसे। उन्होंने कहा कि 2024 के लिए देश के लोगों ने हमारी सरकार वापस लाने का मन बना लिया है। ऐसे में भारत की बदहाली के जिम्मेदार कुछ लोग अपनी दुकान खोलकर बैठ गए हैं। इन्हें देखकर मुझे एक कविता याद आती है, गायित कुछ है, हाल कुछ है, लेबिल कुछ है माल कुछ है। 24 के लिए 26 होने वाले दलों पर ये फिट बैठता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एनडीए की बैठक से पहले विपक्ष पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक भारत में विकास का दायरा कुछ दलों की स्वार्थ भरी राजनीति के कारण देश के दूर दराज वाले इलाकों तक पहुंचा ही नहीं। ये दल उन्हीं कामों को प्राथमिकता देते थे जिसमें इनका खुद का भला हो इनके परिवार का भला हो, नतीजा ये हुआ कि जो आदिवासी क्षेत्र और द्वीप हैं वहां की जनता विकास से वंचित रही, विकास के लिए तरसती रही।

पूरी रणनीति के साथ उतरेगा विपक्ष

गठबंधन की कवायद एक सतत प्रक्रिया है जिसमें तरह-तरह के मुद्दे मिल-बैठकर सुलझाते रहने होंगे। राज्य स्तर पर गठबंधन के साथियों के बीच सीटों की साझेदारी का फॉर्मूला हो या नए गठबंधन का न्यूनतम साझा कार्यक्रम तैयार करना, सभी गंभीर और संवेदनशील मुद्दों पर गठबंधन दलों के बीच एकराय बनाने में भारी मशक्कत होगी। इनसे भी बड़ा लक्ष्य राज्य दर राज्य गठबंधन को आकार देना और मतदाताओं के मन में मोदी सरकार के खिलाफ तगड़ा नैरेटिव बिठाना है। विपक्षी खेमे में अव्यवस्था की स्थिति को देखते हुए, पार्टियां थोड़ी सहम गई हैं। इस कारण सबको साथ आने का एक नया संकल्प लेने का माहौल तैयार हो गया है। पार्टियों के बीच जमीनी जटिलताएं, राज्यों में टकराव की स्थिति, उनका अहंकार और ऊपर से भाजपा के तोड़ो-फोड़ो जैसे कारणों से अभियान विपक्षी खेमे के लिए एकजुटता का कार्यक्रम काफी पेचीदा दिख रहा है। विपक्ष के सामने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के खिलाफ नैरेटिव तैयार करने की पहाड़ जैसी चुनौती भी है। लोकतंत्र को खतरा, अल्पसंख्यकों पर अत्याचार और अमीरों की सरकार जैसे नैरेटिव चलते नहीं दिख रहे हैं। ऊपर से प्रधानमंत्री मोदी की टक्कर का कोई नेता नहीं होना विपक्ष की बड़ी कमियों में शुमार है।

पहली बार 1977 में विपक्षी नेता एक साथ आए थे, गठबंधन से बनी थी सरकार

देश में इमरजेंसी के बाद पहली बार 1977 में विपक्षी नेता एक साथ आए थे। तब मोरारजी देसाई के नेतृत्व में पहली गैर कांग्रेसी सरकार का गठन हुआ था। तब कई दल एक साथ आए थे। जयप्रकाश नारायण की पहल पर जनता पार्टी का गठन हुआ। जनता पार्टी ने चुनाव जीतकर सरकार भी बनाई, लेकिन उस चुनाव में भी प्रधानमंत्री पद के लिए किसी को चेहरा नहीं बनाया गया था। इसके बाद जनता पार्टी ने अलग-अलग दलों के समर्थन से 1989 में वीपी सिंह के नेतृत्व में सरकार बनाई। तब भी पीएम के लिए कोई चेहरा आगे नहीं किया गया था। फिर 1996 में भाजपा ने अटल बिहारी बाजपेयी को चेहरा घोषित कर चुनाव लड़ा और सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी थी। इसके साथ फिर पीएम फेस पर चुनाव लड़ने की परंपरा भी शुरू हो गई। 2004 के चुनाव में कांग्रेस ने छोटे-छोटे दलों के साथ मिलकर बिना चेहरे के चुनाव लड़ा था, तब यूपीए में मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बने थे।

विपक्षी नेताओं की सेवा में लगाए गए अधिकारी : कुमारस्वामी

पूर्व मुख्यमंत्री और जनता दल (सेक्युलर) के नेता एचडी कुमारस्वामी ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मंगलवार को बेंगलुरु में विपक्षी एकता की दूसरी बैठक होनी है। इसमें शामिल होने वाले विपक्षी दलों के नेताओं की सेवा के लिए कांग्रेस सरकार ने 30 आईएएस अधिकारियों को तैनात किया है। कुमारस्वामी ने राज्य सरकार पर आईएएस बंधुआ मजदूरी नीति शुरू करने का आरोप लगाया। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि आईएएस अधिकारी राज्य की क्षमता और दक्षता के प्रतीक हैं और इन अधिकारियों को राजनेताओं की सेवा के लिए द्वारपाल के रूप में तैनात करना अखिल भारतीय सेवा (आचरण) नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है।

पीएम पद में दिलचस्पी नहीं देश को बचाना है : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि उनकी पार्टी को सत्ता या प्रधानमंत्री पद में कोई दिलचस्पी नहीं है। बीजेपी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ दल के अध्यक्ष और पार्टी नेता पुराने सहयोगियों से समझौता करने के लिए एक राज्य से दूसरे राज्य भाग रहे हैं। बैठक में खरगे ने कहा, हम 26 पार्टियां हैं, 11 राज्यों में अपनी-अपनी सरकार है। बीजेपी को अकेले 303 सीटें नहीं मिलीं, उसने सहयोगियों के वोटों का इस्तेमाल किया और फिर उन्हें त्याग दिया। सूत्रों ने कहा कि ऐसी संभावना है कि यूपीए की अध्यक्ष रह चुकीं सोनिया गांधी को मोर्चे का अध्यक्ष और नीतीश कुमार को संयोजक नामित किया जाएगा। विपक्ष की इस दो दिवसीय बैठक में सोनिया गांधी के अलावा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, बिहार के सीएम नीतीश कुमार, दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल, झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी और आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद शामिल हुए, इसके साथ ही एनसीपी नेता शरद पवार भी इस बैठक में मौजूद रहे। शरद पवार के भतीजे अजित पवार इसी महीने की शुरुआत एनसीपी में बगावत के बाद बीजेपी-शिवसेना सरकार में शामिल हो गए और डिप्टी सीएम बन गए हैं।

पूरे देश में हवा एनडीए के साथ : असोम गण परिषद

एनडीए की बैठक से पहले भाजपा की सहयोगी पार्टी असोम गण परिषद के प्रमुख अतुल बोरा ने बयान दिया। उन्होंने कहा कि यह काफी अहम बैठक होगी। लोकसभा चुनाव काफी करीब हैं। पीएम मोदी पिछले नौ साल से विकास कार्यों को आगे ले जा रहे हैं, जो कि जबरदस्त उपलब्धि है, पूरे देश में हवा एनडीए के साथ है।

नेतृत्वहीन और नीतिहीन गठबंधन : नड्डा

एनडीए की मंगलवार को होने वाली बैठक से पहले सोमवार को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि एनडीए का गठबंधन भारत को मजबूत करने के लिए है, जबकि यूपीए नेतृत्वहीन और नीतिहीन है। यह फोटो खिंचवाने के अवसर के लिए अच्छा है। मोदी सरकार की योजनाओं, नीतियों के सकारात्मक प्रभाव के कारण एनडीए के घटक दल उत्साहित हैं।

28 राज्यों में 10 में भाजपा और 4 में कांग्रेस की सरकार

देश के 28 राज्यों में इस समय 10 राज्यों में भाजपा ने बहुमत के साथ सरकार बनाई है। वहीं, महाराष्ट्र में शिवसेना का शिंदे गुट के साथ भाजपा की सरकार है। राजस्थान, छत्तीसगढ़ सहित 4 राज्यों में कांग्रेस की सरकार है और 3 राज्यों में पार्टी का गठबंधन है।

भाजपा का पूरे देश में जनाधार : राजभर

हाल ही में एनडीए गठबंधन का हिस्सा बने सुभासपा प्रमुख ओपी राजभर ने एनडीए की बैठक को लेकर बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि देश की राजनीति में अब लड़ाई नाम की कोई चीज़ नहीं रह गई है। लखनऊ में ही देखें तो विपक्ष कहां जीतेगा? भाजपा का पूरे देश में जनाधार है। उन्होंने कहा, वह राजनीति का एक हिस्सा है, जाना सभी को दिल्ली होता है। अब मेरा रास्ता एनडीए के साथ ही 100 प्रतिशत रहेगा।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

इंडिया से संवरेगा अब भारत!

“ इंडिया नाम से ही गठबंधन में जोश भर गया है। टीमएसी, राजद ने उत्साह में कहा कि अब 24 की लड़ाई पूरे जोरदार तरीके सें लडने की बात कही है। सभी नेताओं ने कहा कि राजनीति में विचारधारा अलग तो होती ही है लेकिन हम देश के लिए एक हुए हैं। लोगों को लगता है कि हम परिवार को बचाने के लिए एक हुए हैं, देश हमारा परिवार है और उसे बचाने के लिए हम एक हुए हैं।

विपक्ष ने अपने गठबंधन का नाम भारत यानी इंडिया रखकर एक तीर से कई निशाने साध लिए हैं। इस नाम से जहां विपक्ष ने भाजपा को घेरने की कोशिश की है वहीं इसके द्वारा वह संदेश देना चाहती है कि देशभक्त होने का ठेका केवल सत्ता पक्ष के पास नहीं है। वे उनसे ज्यादा देशभक्त हैं और ज्यादा राष्ट्रवादी है। इंडिया नाम से ही गठबंधन में जोश भर गया है। टीमएसी, राजद ने उत्साह में कहा कि अब 24 की लड़ाई पूरे जोरदार तरीके सें लडने की बात कही है। सभी नेताओं ने कहा कि राजनीति में विचारधारा अलग तो होती ही है लेकिन हम देश के लिए एक हुए हैं। लोगों को लगता है कि हम परिवार को बचाने के लिए एक हुए हैं, देश हमारा परिवार है और उसे बचाने के लिए हम एक हुए हैं। इस तानाशाह सरकार के खिलाफ हम लड़ेंगे। बेंगलुरु में 26 विपक्षी दलों की बैठक हुई। 26 दलों के गठबंधन का नाम आईएनडीआईए (इंडिया) रखा गया है। इसका फुल फॉर्म- Indian National Democratic Inclusive Alliance (भारतीय राष्ट्रीय जनतांत्रिक समावेशी गठबंधन) है। उधर मीटिंग की शुरुआत में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि कांग्रेस की सत्ता या प्रधानमंत्री पद में कोई दिलचस्पी नहीं है। एक तरह से कांग्रेस ने विपक्षी मोर्चे का नेतृत्व करने से हाथ पीछे खींच लिए हैं। खरगे ने माना कि विपक्षी दलों के बीच राज्य स्तर पर मतभेद हैं, लेकिन ये मतभेद उतने बड़े नहीं हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, यहां 26 दल एकजुट हुए हैं और ये आज 11 राज्यों की सरकारों में हैं। बेंगलुरु से पहले, पटना में विपक्षी दलों की बैठक हो चुकी है। कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने बताया कि बेंगलुरु में होने वाली बैठक में 26 पार्टियां शामिल होंगी। बेंगलुरु में विपक्ष की बैठक का लाइव अपडेट देखिए। इस बैठक के बाद सभी दलों ने मोदी सरकार पर हमला बोलना शुरू कर दिया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि केंद्र सरकार और भाजपा ने पिछले 9 वर्षों में अर्थव्यवस्था, रेलवे को बर्बाद कर दिया है। युवा, किसान, व्यापारी, उद्योगपति हर कोई इस एनडीए सरकार से नाखुश है। ये लोग चाहते तो क्या नहीं कर सकते थे। आप ट्रेन के सेकंड क्लास में चढ़कर देखिए, आपको पता चल जाएगा कि इन्होंने रेलवे की क्या हालत कर दी है। इस सरकार ने जमीन से लेकर आकाश तक सब कुछ बेचने का काम किया है। आप ने कहा कि बीजेपी क्या अब चैलेंज कर सकती है इंडिया को? एनडीए क्या इंडिया को चैलेंज कर सकता है? खरगे ने कहा कि विपक्षी गठबंधन की अगली बैठक मुंबई में होगी। 11 सदस्यों की समन्वय समिति गठिति की जाएगी।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आधुनिकता की कोख से उपजा संत्रास

सोनम लववंशी

जब भी समाज में रिश्तों को लेकर कोई बात सामने आती है, तो उसकी चर्चा ज्यादा होती है। ऐसा ही एक मामला इन दिनों सुर्खियों में है, जो उत्तर प्रदेश की एक महिला अधिकारी से जुड़ा है। वैसे तो उनके चर्चित होने का कारण उनके और पति के बीच का नितांत घरेलू मामला है। लेकिन, अब इस महिला अधिकारी की बेवफाई सारे जमाने की खबर बन गई। इस मामले ने रिश्तों में संदेह की ऐसी गांठ लगा दी, कि वो कभी भी, किसी की भी जिंदगी में खटक सकती है। पति-पत्नी के बीच पेंच कुछ ऐसा फंसा कि इसके जरिए कई लोग अपनी जिंदगी के भविष्य को लेकर शंकित हो गये। जबकि, जरूरी नहीं कि सभी के साथ ऐसा ही कुछ हो, पर ऐसे कुछ अनुभव जीवन की सोच तो बदलते ही हैं।

ये पति पत्नी और 'वो' के बीच का मामला है। यह 'वो' कहां से आया और किस स्थिति में आया, यही इस पूरे घटनाक्रम का केंद्र बिंदु है। इस महिला अधिकारी के पति का कहना है हमारी शादी के समय पत्नी ग्रेजुएट भी नहीं थी। मैंने उसे पढ़ाया, बढ़ाया और प्रोत्साहित किया कि वह अपनी योग्यता का सही उपयोग करे। आज स्थिति यह है कि पत्नी डिप्टी कलेक्टर बन गई और पति हाशिए पर चला गया। पति का कहना है कि उसने मेरे सारे त्याग, समर्पण और अहसानों को किनारे कर दिया और किसी और के साथ प्रेम की पींगें बढ़ाना शुरू कर दीं। स्थिति यहां तक आ गई कि पत्नी ने पति को तलाक देने का फैसला ले लिया। इसलिए कि पति एक सामान्य कर्मचारी है और वो डिप्टी कलेक्टर।

इस घटना के बहाने कई उदाहरण सामने आने लगे। कहीं पत्नी ने पति को पढ़ाने और आगे बढ़ाने में मदद की, तो कहीं पति ने लेकिन किसी ओहदे पर पहुंचने के बाद उसने अपने जीवनसाथी को ही नकार दिया। सामान्यत: ऐसी घटनाएं पुरुष के बारे में सोची जाती हैं। लेकिन, जो घटनाएं सामने आ रही हैं, उनमें महिलाओं की संख्या भी कम नहीं है। ये वे महिलाएं हैं, जिन्होंने कुछ बनने के बाद अपने पतियों को नकार दिया। खास बात ये कि इन लोगों के बच्चे भी हैं।

दरअसल, ये समाज का ऐसा काला पन्ना है, जो अभी तक खुला नहीं था। लेकिन, उत्तर प्रदेश की इस घटना के बाद रिश्तों की इस किताब के पन्ने खुलकर बिखर गए। इसमें बहुत कुछ ऐसा दिखाई देने लगा, जो अभी तक लोक-लज्जा के कारण छुपा

हुआ था! क्या यह आधुनिकता की कोख से निकली बुराई है या एक सामान्य बात जो पति और पत्नी के बीच असमानता से उपजी पीड़ा को दर्शाती है। पति-पत्नी में यदि पत्नी का ओहदा पति से बड़ा हो, तो क्या स्थिति बनती है! समाज के सामने अब ये एक नया सवाल खड़ा हो गया। इस घटना का बड़ा असर ये हुआ कि पति-पत्नी के अटूट रिश्तों में संदेह का बीज पनपने लगा। कई ऐसे पति जो अपनी योग्य पत्नियों को आगे बढ़ाने के लिए पढ़ा रहे थे या उन्हें करिअर के लिए कोचिंग भेज रहे थे, उन्होंने हाथ खींच लिए। निश्चित रूप से उनका यह फैसला समाज के लिए नुकसानदेह होगा। यह किसी भी दृष्टि से सही नहीं है। लेकिन, यदि वास्तव में ऐसा किया जा रहा है, तो इससे समाज को होने वाले नुकसान की पूर्ति नहीं होगी। चंद घटनाओं की वजह से उन योग्य महिलाओं को आगे बढ़ने का मौका नहीं मिलेगा जिनका भविष्य उज्ज्वल होता। कहा तो यह भी जा रहा है कि पटना में कोचिंग सेंटर चलाने वाले एक टीचर के यहां आने वाली 93 महिलाओं ने उत्तर प्रदेश के इस पति-पत्नी विवाद के बाद कोचिंग आना छोड़ दिया। ये महिलाएं राज्य की पब्लिक सर्विस कमीशन की परीक्षा तैयारी कर रही थीं। इस एक घटना के चलते इन सभी महिलाओं के पतियों ने उन्हें आगे पढ़ाने से मना कर दिया। उन्होंने कहा कि उनकी पत्नियां अब किसी भी तरह की कोई परीक्षा नहीं देंगी। जिस प्रतियोगी परीक्षा की वे तैयारी कर रही थीं, अब वे उनमें भी शामिल नहीं होंगी! इस टीचर का कहना है कि उन्होंने कुछ पतियों को समझाने की कोशिश भी की, पर वे नहीं माने। अमेठी में भी एक ऐसा ही मामला सामने आया जहां पति ने पत्नी को पढ़ाया-लिखाया। इसके बाद उसकी सैनिक स्कूल में सरकारी नर्स की नौकरी लग गई। सरकारी नौकरी मिलते ही पत्नी ने अपने पति से संबंध तोड़ लिए।

पति ने पत्नी पर सैनिक स्कूल के ही एक टीचर के साथ अनैतिक संबंध रखने का भी आरोप लगाया। जबकि, मध्य प्रदेश के देवास जिले में सामने आए मामले में पीड़ित पति नहीं, बल्कि महिला है। इस महिला ने पति को पढ़ाने के लिए घरों में काम किया, बर्तन मांजे और पैसा जुटाया। जब पति कमर्शियल टैक्स ऑफिसर बन गया, तो उसने दूसरी महिला से शादी कर ली। समाज में ऐसी घटनाएं पहले से होती रही हैं, पर इन्हें सामाजिक संकोच के कारण सामने नहीं आने दिया जाता था। इस घटना ने ऐसी हवा दी कि सारी मर्यादा तार-तार हो गई और रिश्तों के बंधन बिखर गए।

खाद्य श्रृंखला के लिए घातक हो सकता है फंगस

मुकुल व्यास

दुनिया की आबादी को उच्च कैलोरी प्रदान करने वाली महत्वपूर्ण फसलें इस समय फंगस के आक्रमण को झेल रही हैं। बढ़ते हुए फंगस संक्रमण के कारण आलू से अनाज और केले तक हमारी कुछ महत्वपूर्ण फसलें संकट में हैं। वैज्ञानिकों ने चेताया है कि इसका हमारी खाद्य आपूर्ति पर विनाशकारी प्रभाव पड़ सकता है। हम वायरस और बैक्टीरिया जैसे रोगाणुओं के बारे में अधिक चिंता करते हैं जो मनुष्यों को बीमार करते हैं। लेकिन फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले कॉर्न स्मट और स्टेम रस्ट जैसे फंगस रोग हमें कोरोना, इबोला वायरस या ई. कोलाई बैक्टीरिया की तरह नहीं डराते। वैज्ञानिकों का कहना है कि हमें इनके खतरे को कम करके नहीं आंकना चाहिए। इस तरह के फंगस पहले से ही खेतों पर कहर बरपा रहे हैं।

विश्व स्तर पर कृषि उत्पादकों को हर साल फंगस के संक्रमण से अपनी फसलों का 23 प्रतिशत तक नुकसान होता है। इसके अलावा फसल की कटाई के बाद 10 से 20 प्रतिशत फसलें फंगस से नष्ट हो जाती हैं। भारत में भी फंगस रोगों से बहुत फसल बर्बाद होती है। विभिन्न देशों में दर्ज 30,000 पौधों की बीमारियों में से लगभग 5000 भारत में होती हैं। ऐसा माना जाता है कि भारत में फसल की पैदावार में फंगस संक्रमण से संबंधित गिरावट लगभग 50 लाख टन प्रति वर्ष है। दुनिया की पांच सबसे महत्वपूर्ण फसलें- चावल, गेहूं, मक्का, सोयाबीन और आलू राइस ब्लास्ट फंगस, वीट स्टेम रस्ट, कॉर्न स्मट, सोयाबीन रस्ट और पोटेटो लेट ब्लाइट जैसे फंगस रोगों की चपेट में हैं। ये सभी रोग ओमाइसीट नामक पानी के फफूंद के कारण होते हैं। खाद्य एवं कृषि संगठन ने फंगस से होने वाले सैकड़ों रोगों की पहचान की है जो मनुष्य को पोषण प्रदान करने वाली 168 महत्वपूर्ण फसलों को प्रभावित करते हैं। रिसर्चरों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण फंगस रोगों का विनाशकारी प्रभाव और भी बदतर हो जाएगा। बढ़ते तापमान के कारण फंगस संक्रमण तेजी से ध्रुवों की ओर बढ़ रहा है। संक्रमण के बढ़ने की रफ्तार प्रति वर्ष लगभग सात किलोमीटर है। एक उदाहरण का हवाला देते हुए रिसर्चरों ने बताया कि वीट स्टेम रस्ट संक्रमण जो आमतौर पर उष्णकटिबंधीय देशों में होता है, अब इंग्लैंड और आयरलैंड में भी पाया गया है। उन्होंने कहा कि फंगस मुख्य रूप से एक रोगजनक है। यह भारी मात्रा में बीजाणु पैदा करता है जो मिट्टी में 40 वर्षों तक सक्रिय रह सकते हैं।

उच्च तापमान फंगस के नए रोगजनक वेरिएंट के विकास को प्रोत्साहित करता है। तूफान या चक्रवात जैसी चरम मौसमीय परिस्थितियां बीजाणुओं को व्यापक भौगोलिक सीमाओं में फैला सकती हैं। उदाहरण के तौर पर वीट स्टेम रस्ट हवा में तैरने वाले बीजाणु पैदा करता है जो दूर-दूर के महाद्वीपों की यात्रा कर सकते हैं। दुनिया में फंगस द्वारा इस समय नष्ट किया जा रहा खाद्यान्न 60 करोड़ से लेकर 4 अरब लोगों को एक वर्ष तक हर दिन 2,000 कैलोरी प्रदान कर सकता था। इंग्लैंड के एक्सेटर विश्वविद्यालय की वनस्पति रोगविज्ञानी सारा गर ने कहा कि बड़े-बड़े खेतों पर फंगस का खतरा मंडराने से स्थिति निरंतर खराब हो रही है। दुनिया में फंगस संक्रमण के तेजी से प्रसार के कारण हम आने वाले समय में एक बड़ा वैश्विक स्वास्थ्य संकट देख सकते हैं क्योंकि तेजी से गर्म हो रही दुनिया में फंगस प्रजातियां अधिक प्रतिरोधी होती जा रही हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार फंगस का सें संक्रमण न सिर्फ विकासशील देशों के लिए विनाशकारी होगा बल्कि पश्चिमी दुनिया पर भी इसका बड़ा असर पड़ेगा। किसान सदियों से फंगस से लड़ रहे हैं लेकिन आज यह लड़ाई ज्यादा कठिन हो गई है। जलवायु परिवर्तन इसका एक बड़ा कारण है क्योंकि अतिरिक्त गर्मी फंगस की कुछ किस्मों को अपने दायरे का विस्तार करने में मदद कर रही है। इन किस्मों में प्रमुख खाद्य फसलों को खतरा पैदा करने वाली प्रजातियां भी शामिल हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि मनुष्य इस संकट को अन्य तरीकों से भी आमंत्रित कर रहा है। आनुवंशिक रूप से समान फसलों के विशाल मोनोकल्चर की स्थापना इसका एक उदाहरण है। मोनोकल्चर से अभिप्राय एक खेत में एक ही फसल उगाने से है। इस तरह की एकल फसलें फंगस के प्रकोप को झेलने में कमजोर पड़ती हैं।

हाल की पीढ़ियों के फंगीसाइड (फफूंदनाशी) ने उत्पादकों को फसलों के संक्रमणों को दूर करने में मदद जरूर की है लेकिन अभी भी फंगस प्रजातियों के सबसे मजबूत निवारक उपायों को भी निष्प्रभावी करने के तरीके खोज रही हैं। कई फंगीसाइड केवल एक कोशिकीय प्रक्रिया को लक्षित करके काम करते हैं जिससे फंगस को प्रतिरोध विकसित करने के लिए जगह मिल जाती है। नए प्रतिरोधी फंगस पर फंगीसाइड कम प्रभाव डालते हैं, जिसकी वजह से परेशान किसान कभी-कभी उसी फंगीसाइड की उच्च मात्रा का उपयोग करते हैं। फसलों पर इसका प्रतिकूल असर पड़ता है।

इस समय 8 अरब से अधिक मनुष्य पृथ्वी पर रहते हैं। जलवायु परिवर्तन के अन्य प्रभावों के कारण इनमें से कई पहले से खाद्य सुरक्षा की कमी का सामना कर रहे हैं। जैसे-जैसे दुनिया की आबादी बढ़ेगी, मानव जाति के समक्ष खाद्य उत्पादन बढ़ाने की चुनौती भी बढ़ेगी। जलवायु परिवर्तन के लिए जिम्मेदार उत्सर्जनों पर अंकुश लगाना एक मुश्किल लक्ष्य है। इसके बावजूद स्थिति को बदतर होने से रोकने के लिए कुछ उपाय किए जा सकते हैं।

चाय के साथ न खाएं रस्क और ब्रेड बिगाड़ देंगे आपकी सेहत

हमारे दैनिक आहार का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा सुबह का नाश्ता होता है। शोध पुष्टि करते हैं कि जो लोग सुबह भरपेट पौष्टिक आहार से भरपूर नाश्ता करते हैं वह कम बीमार होते हैं और इससे संपूर्ण स्वास्थ्य और फिटनेस बेहतर रखा जा सकता है। हालांकि हम में से ज्यादातर लोग सुबह ब्रेड-रस्क जैसी चीजों को खाना अधिक पसंद करते हैं। क्या ये सेहत के लिए फायदेमंद है, इसे अच्छा नाश्ता माना जा सकता है? हम में से ज्यादातर लोगों को चाय में रस्क-ब्रेड को डुबाकर खाना पसंद होता है लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि यह कॉम्बिनेशन आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। ब्रेड और रस्क दोनों को सेहत के लिए कई प्रकार से हानिकारक पाया गया है।

बढ़ सकता है मोटापा-शुगर

अगर आप अक्सर रस्क-ब्रेड या मैदे से बनी चीजों का सेवन करते हैं तो इससे सबसे बड़ा दुष्प्रभाव वजन बढ़ने की समस्या के रूप में देखा जाता है। आहार के पाचन के दौरान इन चीजों से तेजी से शरीर में ग्लूकोज का स्तर भी बढ़ने लगता है जोकि डायबिटीज के रोगियों के लिए जोखिम कारक हो सकता है। हमेशा स्वस्थ और पौष्टिक नाश्ते का ही चयन करें, रस्क-ब्रेड के अधिक या रोजाना सेवन से बचना चाहिए।

रोज खाना हानिकारक

रस्क और ब्रेड दोनों हमारे लिए नुकसानदायक है, दुर्भाग्य से हर घर में इनका रोजाना सेवन किया जाता रहा है। भले ही ये आपको स्वादिष्ट लगते हैं और पेट भर देते हैं पर इसमें मौजूद कई चीजें पाचन से लेकर पूरी सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकती हैं। ब्रेड का टोस्ट बनाना एक केमिकल रिएक्शन है, जिसके दौरान मोलेक्युल्स टूटते हैं। इस प्रोसेस में ब्रेड में वाटर कंटेंट कम हो जाता है।

ब्रेड भी हानिकारक

रस्क की ही तरह अगर आप चाय के साथ ब्रेड भी खाते हैं तो इसके भी कई नुकसान हैं। व्हाइट ब्रेड, अत्यधिक प्रोसेस्ड आटा और एडिटिव्स जैसे अस्वास्थ्यकर चीजें से बनाए जाते हैं। बहुत अधिक सफेद ब्रेड का सेवन मोटापा, हृदय रोग और मधुमेह के जोखिमों को बढ़ाने वाला माना जाता है। अधिक मात्रा में प्रोसेस्ड चीजों के सेवन से शरीर की सूजन प्रतिक्रिया बढ़ सकती है जिससे कि आंतों के माइक्रोबायोम की दिक्कतों के बढ़ने का भी खतरा रहता है।

अधिक कैलोरी और मेटाबॉलिज्म का खतरा

अध्ययन के अनुसार रस्क में ब्रेड से भी अधिक कैलोरी होती है। लगभग 100 ग्राम रस्क में लगभग 407 किलो कैलोरी हो सकती है। अधिक कैलोरी वाली चीजें न सिर्फ वजन को बढ़ाती हैं साथ ही इससे ब्लड शुगर के बढ़ने का भी खतरा हो सकता है। रस्क बिस्कुट बनाने के लिए उपयोग की जाने वाली मुख्य सामग्रियों में खमीर, चीनी, तेल और मैदा हैं, ये सभी हमारे लिए नुकसानदायक हैं। इसे तैयार करने के लिए स्टेलिंग की प्रक्रिया अपनाई जाती है, जिससे इसे सख्त और कुरकुरा बनाया जा सके। इन चीजों के सेवन से डायरिया, कब्ज और मेटाबॉलिज्म की

समस्याओं का जोखिम हो सकता है।

हंसना मना है

पप्पू- तांत्रिक बाबा, किसी सुंदर लड़की का हाथ पाने के लिए क्या करूं। तांत्रिक- किसी मॉल के बाहर मेहंदी लगाने का काम शुरू कर दे। पप्पू- बेहोश।

डॉक्टर- तुम रोज सुबह क्लिनिक के बाहर खड़े होकर औरतों को क्यों घूरते हो? पप्पू- जी आप ने ही तो लिखा है, औरतों को देखने का समय सुबह 9 बजे से 11 बजे तक!

बंता- यार सिर में बहुत दर्द हो रहा है। संता- सिर दर्द होने पर कुछ देर गर्लफ्रेंड से जरूर बात करो। बंता- क्यों? संता- तुमने सुना नहीं है, जहर ही जहर को मारता है।

टीचर- एक टोकरी में 20 सेब थे 10 सड़ गए कितने बचे? पिंटू- 20 ही बचेंगे और क्या, टीचर- मूर्ख 20 कैसे बचेंगे? पिंटू- सड़े हुए सेब कहां जाएंगे, सड़ने से केले थोड़ी बन जाएंगे।

पति- प्यास लगी है पानी लेके आओ.. पत्नी- क्यों ना आज तुम्हें मटर पनीर और शाही पुलाव बनाकर खिलाऊं... पति - वाह वाह...! मुंह में पानी आ गया.. पत्नी - आ गया ना मुंह में पानी बस इसी से काम चला लो।

कहानी | मौत का सौदागर

1888 की बात है, एक व्यक्ति सुबह-सुबह उठ कर अखबार पढ़ रहा था, तभी अचानक उसकी नज़र एक शोक सन्देश पर पड़ी। वह उसे देख दंग रह गया , क्योंकि वहां मरने वाले की जगह उसी का नाम लिखा हुआ था। खुद का नाम पढ़कर वह आश्चर्यचकित तथा भयभीत हो गया। उसे यकीन नहीं हो रहा था कि अखबार ने उसके भाई लुडविग की मरने की खबर देने की जगह खुस उसके मरने की खबर प्रकाशित कर दी थी। खैर , उसने किसी तरह खुद को समभाला, और सोचा, चलो देखते हैं की लोगों ने उसकी मौत पर क्या प्रतिक्रियाएं दी हैं। उसने पढ़ना शुरू किया, वहां लिखा था, मौत का सौदागर मर चुका है। यह उसके लिए और बड़ा आघात था, उसने मन ही मन सोचा, क्या उसके मरने के बाद लोग उसे इसी तरह याद करेंगे? यह दिन उसकी ज़िन्दगी का टर्निंग पॉइंट बन गया, और उसी दिन से डायनामाइट का यह अविष्कारक विश्व शांति और समाज कल्याण के लिए काम करने लगा। और मरने से पहले उसने अपनी अकूत संपत्ति उन लोगों को पुरस्कार देने के लिए दान दे दी जो विज्ञान और समाज कलायन के क्षत्र में उत्कृष्ट काम करते हैं। मित्रों, उस महान व्यक्ति का नाम था , ऐल्फ्रेड बर्नार्ड नोबेल और आज उन्ही के नाम पर हर वर्ष नोबेल प्राइज दिए जाते हैं। आज कोई उन्हें मौत के सौदागर के रूप में नहीं याद करता बल्कि हम उन्हें एक महान वैज्ञानिक और समाज सेवी के रूप में याद किया जाता है। जीवन एक क्षण भी हमारे मूल्यों और जीवन की दिशा को बदल सकता है, ये हमें सोचना है की हम यहां क्या करना चाहते हैं? हम किस तरह याद किये जाना चाहते हैं और हम आज क्या करते हैं यही निश्चित करेगा की कल हमें लोग कैसे याद करेंगे! इसलिए , हम जो भी करें सोच-समझ कर करें, कहीं अनजाने में हम मौत के सौदागर जैसी यादें ना छोड़ जाएं।

7 अंतर खोजें

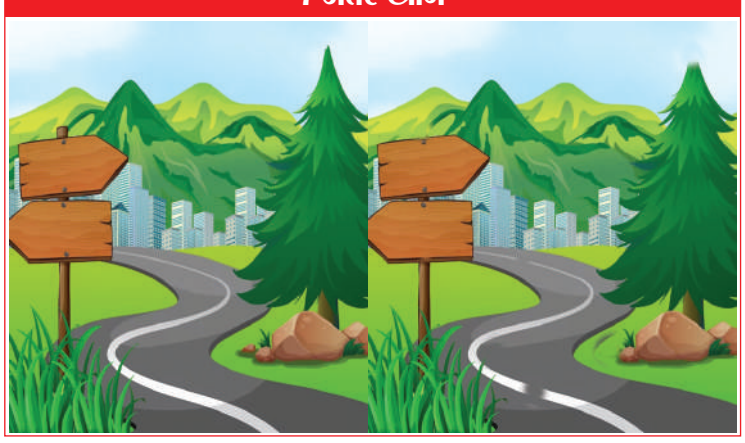

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज का दिन आपके लिए बहुत लाभकारी है। आपकी आय में वृद्धि होगी। किसी अन्य तरीके से भी आर्थिक लाभ होगा। मित्रों के साथ भेंट होगी।

वृषभ

आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। अगर आप किसी नये बिजनेस की शुरुआत करने की सोच रहे हैं, तो आपको उसमें सफलता मिलेगी। आपका मन प्रसन्न रहेगा।

मिथुन

यह आपकी सोच को कुछ भ्रमित कर देगा और आप अनिश्चित, स्वच्छंद और जिद्दी हो सकते हैं। आप घुमावदार बीमारियों और विस्फोटों से पीड़ित हो सकते हैं।

कर्क

आज आपको महिला मित्रों से विशेष लाभ मिलेगा। जल्दबाज़ी में फ़ैसले न करें, ताकि ज़िन्दगी में आगे आपको पछताना न पड़े। अपने व्यवहार से अधीनस्थों का दिल जीत लेंगे।

सिंह

आज आपका दिन सामान्य रहेगा। जीवनसाथी के बीच थोड़ी अनबन हो सकती है, लेकिन शाम तक सब बेहतर हो जाएगा। मेहनत करने की जरूरत है।

कन्या

आज का दिन आपके लिए कुछ परेशानी वाला हो सकता है। नौकरीपेशा जातकों के लिए के लिए यह समय मुश्किल भरा हो सकता है।

तुला

आपका परिश्रम आज फल दे सकता है। आप अपना धैर्य बनाये रखें। आप सबके साथ एक अच्छे तरीके से कार्य कर पाएंगे। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

वृश्चिक

आज आपका दिन शानदार रहेगा। आपका दिन दूसरों की सेवा-सत्कार में बीत सकता है। आज लोग आपसे काफी प्रभावित होंगे। आज आपकी कार्य क्षमता बेहतर रहेगी।

धनु

जहां तक आपके करियर की बात है, तो परिणाम हासिल करने के लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। आपके बॉस और उच्च अधिकारी आप को भ्रमित कर सकते हैं।

मकर

आज का दिन आपके लिए सामान्य रहेगा। आप जितनी मेहनत करोगे उतना ही आपको फायदा हो सकता है। दुश्मन आपको परेशान करने की कोशिश कर सकते हैं।

कुम्भ

आज उच्च अधिकारी से अच्छे संबंध बनाये रखने का प्रयास फलदायक होगा। किसी मित्र से सहयोग मिलेगा। करियर में तरक्की के योग बने हुए है।

मीन

किसी संदेहजनक प्रोजेक्ट में हाथ न डालें, अन्यथा आप खुद को कानूनी पचड़ों से घिरा पा सकते हैं। आपकी आर्थिक और व्यावसायिक स्थिति में सुधार होगा।

सिद्धार्थ से मुझे मिलती है प्रेरणा : कियारा आडवाणी

सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी ने इसी साल फरवरी में जैसलमेर के सूर्यगढ़ पैलेस में शादी की थी। अब अक्सर यह जोड़ी सुर्खियों में बनी रहती है और वह दोनों एक दूसरे को काम के लिए प्रोत्साहित करते हैं। हालांकि, पहले वे अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात नहीं करते थे, लेकिन अब सिद्धार्थ और कियारा एक-दूसरे के बारे में जिस तरह से बात करते हैं, इससे फैंस को उनके बारे में जानने में और दिलचस्पी होती है। फिलहाल, कियारा आडवाणी इन दिनों सत्यप्रेम की कथा की सफलता का आनंद ले रही हैं। उन्हें अपने किरदार कथा के लिए तमाम फैंस का प्यार मिल रहा है। उन्हें अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए पति और अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा पूरा सहयोग कर रहे हैं और समय समय पर उनका उत्साह भी बढ़ाते हैं। अब हाल ही में कियारा ने इस बारे में बात की है कि शादी के बाद उनके करियर में क्या बदलाव आए हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में कियारा ने बताया कि वह शादी के बाद और अधिक महत्वाकांक्षी हो गई हैं। इसका श्रेय सिद्धार्थ को जाता है। उन्होंने कहा कि वह जानती हैं कि वह दर्शकों के सामने ला सकती हैं, लेकिन वह अभी भी खुद को और आगे बढ़ाना चाहती हैं। कियारा ने कहा कि सिद्धार्थ ने उन्हें यह सोचने के लिए प्रेरित किया है कि वह और भी बहुत कुछ करने में सक्षम हैं। सिद्धार्थ, कियारा से कहते हैं कि वह खुद को रोके नहीं और जो करना चाहती हैं, वही करें। कियारा ने खुलासा किया कि सिद्धार्थ ने उन्हें यह भी सिखाया है कि जब जरूरत हो तो अधिक शांत रहना चाहिए। कियारा सोचती हैं कि ऐसा साथी होना अच्छा है, जो उसी क्षेत्र में हो। बता दें कि सिद्धार्थ और कियारा ने शेरशाह में साथ काम किया था और तभी उनके बीच प्यार पनपा। वहीं, बात करें कियारा आडवाणी की आने वाली फिल्मों के बारे में तो वह अगली बार एस शंकर की गेम चेंजर में राम चरण के साथ दिखाई देंगी।

बॉलीवुड मसाला

विजय सेतुपति ने मिलाया कंगना से हाथ

बॉलीवुड इंडस्ट्री की पंगा क्वीन यानी कंगना रणौत अपने बेहतरीन किरदार से दर्शकों का मनोरंजन करती और उनका दिल जीतती नजर आती हैं। एक्ट्रेस इन दिनों अपनी फिल्म इमरजेंसी को लेकर सुर्खियों में हैं। इसके साथ ही कंगना की एक और अपकमिंग फिल्म पर बड़ा अपडेट सामने आया है, जिससे साउथ सुपरस्टार विजय सेतुपति के जुड़ने की जानकारी है। इस खबर के सामने आते ही सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की लड़ी लग गई है।

रिपोर्ट की मानें तो, इमरजेंसी के बाद कंगना रणौत साउथ स्टार विजय सेतुपति के साथ एक फिल्म में सहयोग करेंगी। हालांकि, अभी तक इन खबरों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है, लेकिन इस वायरल न्यूज ने सोशल मीडिया पर चर्चाओं का बाजार गर्म कर दिया है।

यूजर बोले- भगवान आपको शक्ति दें

नेटिजन्स ने इंटरनेट पर खोज की है, और उन्हें एक मनोवैज्ञानिक थ्रिलर का पोस्टर मिला है, जिसे ट्राइडेंट आर्ट्स और अहिंसा एंटरटेनमेंट के जरिए निर्मित किया जा रहा है। पोस्टर में केवल दो ही स्टार्स की छवि दिखाई गई है, लेकिन नेटिजन्स मान रहे हैं कि ये दोनों कोई और नहीं बल्कि कंगना रणौत और विजय सेतुपति हैं। रिपोर्ट तो यह भी है कि यह एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर होने जा रही है। रिपोर्ट से जहां, इंटरनेट पर एक हिस्सा दोनों को फिल्म में साथ देखने के लिए काफी ज्यादा उत्साहित है। तो वहीं, कुछ इनके सहयोग पर जमकर चुटकी लेते नजर आए हैं। कंगना रणौत और विजय सेतुपति के सहयोग पर एक यूजर ने कमेंट कर लिखा है, अरे, यह एक पावरहाउस कास्टिंग है। मैं बस यही उम्मीद करता हूं कि डायरेक्टर अच्छा हो। दूसरे ने लिखा, अब हमें कुछ मजबूत प्रदर्शन देखने को मिलेंगे। हालांकि, एक ट्रोल ने इस पर टिप्पणी करते हुए लिखा, भगवान तुमको शक्ति दें विजय सेतुपति, क्योंकि आपको इसकी आवश्यकता होगी। वर्कफ्रंट की बात करें तो, आने वाले दिनों में कंगना रणौत फिल्म इमरजेंसी और तेजस में देखी जाएंगी। वहीं, विजय सेतुपति, शाहरुख खान की फिल्म जवान में नजर आएंगे।

बॉलीवुड मन की बात

शादी तो अभी मुझे फिलहाल बिल्कुल नहीं करनी : तापसी पन्नू

तापसी पन्नू पिछले काफी समय से सोशल मीडिया पर एक्टिव नहीं हैं। एक शॉर्ट ब्रेक के बाद एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ चिटचैट किया। इस दौरान उन्होंने सोशल मीडिया से दूरी बनाने का कारण बताया। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने अपनी शादी से जुड़े सवाल पर भी मजेदार बात कही। उन्होंने अपकमिंग फिल्मों की जानकारी भी फैंस के साथ शेयर की। तापसी पन्नू ने फिल्म इंडस्ट्री में पिंक, जुड़वा 2 जैसी कुछ फिल्में कर अपनी जगह बनाई है। एक्ट्रेस ने इंस्टा चिटचैट सेशन में बताया कि सोशल मीडिया पर बहुत ज्यादा टॉक्सिटी और निगेटिव वातावरण के कारण उन्होंने इस प्लेटफॉर्म से दूरी बनाने का फैसला किया। बता दें कि तापसी ने आखिरी पोस्ट एक जुलाई को डाला था। पहले की तरह उनके कम एक्टिव होने पर एक फैन ने उनसे इसका कारण पूछ डाला। इसी तरह एक अन्य फैन ने पूछा कि वह शादी कब कर रही हैं। इस पर एक्ट्रेस ने हाजिरजवाबी देते हुए कहा, मैं अभी प्रेग्नेंट नहीं हूं। तो फिलहाल तो बिल्कुल नहीं। जब शादी करूंगी तो आपको बता दूंगी। तापसी पन्नू के बैडमैंटन प्लेयर टर्न कोच मैथियास बो के साथ रिलेशन में होने की चर्चा है। तापसी पन्नू के वर्कफ्रंट की बात करें, तो पिछले साल छह फिल्मों की रिलीज के बाद एक्ट्रेस इस साल शाह रुख खान की फिल्म डंकी में नजर आएंगी। तापसी पन्नू इन दिनों तमिल फिल्म एलियन की शूटिंग में व्यस्त हैं। इंस्टाग्राम पर उन्होंने इस फिल्म से जुड़ी थोड़ी सी अपडेट शेयर की। एक्ट्रेस ने बताया कि यह हाई कॉन्सेप्ट फिल्म है। फिल्म का नाम एलियन है, लेकिन वह एलियन के रोल में नहीं हैं।

अजब-गजब

जितने ज्यादा लटके होंठ, उतनी ज्यादा खूबसूरत

शादी के लिए लग जाती है लाइन

आज के समय में कई तरह के फैशन ट्रेंड्स देखने को मिलते हैं। फैशन में बदलाव आता रहता है। कभी पुराने ट्रेंड्स ही फिर से सदाबहार हो जाते हैं तो कभी कोई नया डिजाइन लोगों के बीच छा जाता है। अगर आपको ऐसा लगता है कि फैशन करना सिर्फ शहर के लोगों को आता है, तो ज़रा रुकिए। इथियोपिया के मुर्सी ट्राइब शहर के चकाचौंध से बेहद दूर हैं। लेकिन इनका फैशन सबसे जुदा है। यहां लोगों के लटके होंठ उन्हें खूबसूरत बनाता है।

जी हां, जहां शहर की लड़कियां अपने होंठों पर लिपस्टिक लगाकर उन्हें खूबसूरत बनाती है, वहीं मुर्सी ट्राइब में लड़कियां अपने होंठ को लटका कर खूबसूरत बनाती हैं। जी हां, इस ट्राइब में जिसके होंठ जितने ज्यादा लटके होते हैं, वो उतना ही खूबसूरत माना जाता है। ना सिर्फ लड़कियां, यहां लड़के भी अपने होंठ को लटका लेते हैं। हालांकि, इसका तरीका काफी दर्दनाक होता है। इसके बावजूद अपने ट्राइब की परंपरा के लिए ये लोग इस दर्द को सहने के लिए तैयार हो जाते हैं। मुर्सी ट्राइब को काफी खूंखार माना जाता है। इनकी आबादी दस हजार के लगभग है। इस जनजाति के लोग अपनी परंपराओं से काफी बंधे हुए हैं। ये इनकी नदरअंदाजी बर्दाश्त नहीं करते। रिवाज के नाम पर ये लोग गाय का खून पीते हैं। इसके अलावा होंठ को लटकाने के लिए उसके अंदर बड़ा सा डिस्क लगा लेते हैं। शादी के लिए भी यहां लड़ाइयां होती है। दो मर्द डंडे से लड़ाई करते हैं। जिसकी जीत होती है, वो इस जंग में जीत जाता है। साथ ही उसे सुन्दर पत्नी मिलती है। मुर्सी जनजाति की तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर अवेलेबल है। लेकिन पहले ऐसा नहीं होता था। ये जनजाति बाहर के लोगों को एंट्री नहीं देता। अगर कोई बिना इजाजत के चला जाता है, तो उसकी जान भी ले लेते हैं। हालांकि, अब ये जनजाति बाहर की दुनिया से घुलमिल रहा है। इस वजह से इसकी तस्वीरें और जनजाति की जानकारी मिल रही है। भारत में भी एक ऐसी जनजाति है जो बाहर के लोगों को अपने इलाके में आने नहीं जनजाति के इलाके के ऊपर से विमान भी नहीं उड़ते। इसे भारत में जाने के लिए बैन किया गया है।

बीवी को कानोंकान खबर नहीं पति ने पैदा कर लीं सैकड़ों औलादें

कहते हैं एक अच्छे रिश्ते के लिए दो लोगों के बीच पारदर्शिता का होना बहुत ज़रूरी है। जितना साफ-सुथरा रिश्ता होगा, उतना ही लंबा टिकेगा। हालांकि कई बार परिस्थितियों तो कई बार कुछ और वजहों से लोगों के बीच दूरियां आ जाती हैं। अगर ये स्थिति पति-पत्नी के बीच आ जाए तो वाकई मामला गंभीर हो जाता है। कुछ ऐसा ही हुआ एक शख्स के साथ, जिसकी पत्नी को उसके पास्ट के बारे में पता चला तो वो बर्दाश्त नहीं कर पाई। रेडिट पर इस शख्स ने अपनी कहानी सुनाई है और बताया है कि वो अपने पास्ट में कुछ ऐसे काम करता था, जो उस वक्त उसे सही लगते थे। हालांकि शादी के बाद उसने इससे दूरी बनाने की कोशिश की लेकिन एक दिन उसका सच पत्नी के सामने आ ही गया। उस दिन के बाद से उसकी ज़िंदगी में जो भूचाल आया, उसे कोई दूसरा नहीं समझ सकता। इस आदमी ने अपने बारे में लिखा है कि वो कॉलेज के दिनों में आसानी से पैसे पाने के लिए स्पर्म डोनेशन का रास्ता अपनाया। वो माता-पिता नहीं बन पाने वाले कपल्स की मदद भी करता था और उसे पैसे भी मिलते थे। जब वो अपनी गर्लफ्रेंड और अब पत्नी से मिला, तो उसने ऐसा करना बंद कर दिया। उसकी शादी को 6 हो गए हैं और 2 बच्चे भी हैं। वैसे तो उसने ये काम बंद कर दिया था, लेकिन जब उसे कुछ साल पहले पैसे की ज़रूरत थी, तो उसने एक बार फिर स्पर्म डोनेशन का रास्ता अपनाया। हालांकि ये थोड़े दिन के लिए था और वो अब भूल भी चुका था ये बात सामने तब आई, जब पति-पत्नी दोस्तों के बीच बैठे थे और बात बच्चों को कसीव करने में होने वाली परेशानी पर चल रही थी। ऐसे में शख्स ने कॉलेज में स्पर्म डोनेशन के बारे में बताया। उसकी पत्नी को जैसे ही ये सच पता चला, वो गुस्से में आ गई। घर आने के बाद इस पर उसकी जमकर बहस हुई। शख्स को इसमें कुछ गलत नहीं लग रहा था, लेकिन पत्नी इसे धोखा करार दे रही थी। शख्स की इस पोस्ट पर कुछ लोगों ने उसे सही तो कुछ ने गलत ठहराया। एक यूज़र का कहना था उसके बायोलॉजिकल बच्चे पता नहीं कहां-कहां होंगे और कोई उसके पास आया, तो क्या होगा।

हमारी एकता को देखकर घबरा गई है भाजपा : खरगे

अब मोदी और इंडिया के बीच लड़ाई : राहुल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बेंगलुरु में मंगलवार को विपक्षी दलों की बैठक हुई। 26 विपक्षी पार्टियों ने मिलकर इंडियन नेशनल डेवेलपमेंटल इंक्लूसिव एलायंस (आईएनडीआईए) के नाम से गठबंधन बनाने का ऐलान किया है। विपक्षी दलों की बैठक के बाद एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि हमारी एकता को देखकर मोदी जी ने 30 पार्टियों की बैठक बुलाई है।

पहले वे अपने गठबंधन की बात तक नहीं करते थे, वहीं राहुल गांधी ने कहा कि यह एनडीए और इंडिया की लड़ाई है। राहुल गांधी ने कहा, यह एनडीए और इंडिया की लड़ाई है। नरेंद्र मोदी और इंडिया के बीच लड़ाई है। उनकी विचारधारा और इंडिया के बीच की लड़ाई है। हमने निर्णय लिया है कि हम एक एक्शन प्लान तैयार करेंगे और एक साथ मिलकर देश में हमारी विचारधारा और हम जो करने जा रहे हैं उसके बारे में बोलेंगे। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा,उनके यहां एक पार्टी के कई टुकड़े हो गए हैं और अब मोदी जी उन्हीं टुकड़ों को जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। खरगे ने कहा कि लोकसभा चुनाव प्रचार के प्रबंधन के लिए दिल्ली में साझा सचिवालय बनाया जाएगा। साथ ही उन्होंने बताया कि विपक्षी गठबंधन में 11 सदस्यों की एक समन्वय समिति बनाई जाएगी और महाराष्ट्र के मुंबई में होने वाली अगली बैठक में इसके सदस्यों के नामों की घोषणा की जाएगी।

देश को नफरत से बचाना है : केजरीवाल

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि 26 पार्टियां एकत्रित हुई है, यह दूसरी मीटिंग थी और यह अच्छी बात है कि कुनबा बढ़ रहा है। आज 26 पार्टियां अपने लिए एकत्रित नहीं हुई हैं, हमें एक तरफ देश को नफरत से बचाना है और दूसरी तरफ एक नए भारत का सपना लेकर हम सब इकट्ठा हुए हैं।

भारत जीतेगा, इंडिया जीतेगा, देश जीतेगा, भाजपा हारेगी : ममता

वहीं ममता बनर्जी ने कहा कि हमारे गठबंधन में 26 पार्टियां हैं। क्या एनडीए, इंडिया (इंडियन नेशनल डेवेलपमेंटल इंक्लूसिव एलायंस) को चुनौती दे सकती है? क्या भाजपा (इंडियन नेशनल डेवेलपमेंटल इंक्लूसिव एलायंस) को चुनौती दे सकती है? इंडिया को बचाना है, देश को बचाना है...भारत जीतेगा, इंडिया जीतेगा, देश जीतेगा, भाजपा हारेगी।

देश ही हमारा परिवार : उद्धव

उद्धव ठाकरे ने कहा कि राजनीति में विचारधारा अलग तो होती ही है, लेकिन हम देश के लिए एक हुए हैं। लोगों को लगता है कि हम परिवार को बचाने के लिए एक हुए हैं, देश हमारा परिवार है और उसे बचाने के लिए हम एक हुए हैं। इस तानाशाह सरकार के खिलाफ हम लड़ेंगे।

विपक्षी एकता से बौखला कर भाजपा ने पोस्टर लगाए : त्यागी

नीतीश विरोधी पोस्टर पर सियासत गरमाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। विपक्षी एकता की बैठक से पहले बेंगलुरु में राहुल गांधी की पोस्टर के ठीक बगल में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पोस्टर पर सियासत गरमा गई है। जदयू के विशेष सलाहकार और मुख्य प्रवक्ता केसी त्यागी ने इसकी तीखी आलोचना की है। उन्होंने साफ कहा कि यह पोस्टर मोदी जी लोगों ने पोस्टर लगवाया है।

अगुवानी–गंगा पुल तो दो माह पहले ही गिरा था। इससे पहले भी मध्य प्रदेश समेत कई जगह कितने पुल गिरे, वो भी भाजपा शासित राज्य में इसका तो किसी ने कोई जिक्र ही नहीं है। केसी त्यागी ने स्पष्ट कहा कि भाजपा के किसी कार्यकर्ता ने ही इस तरह का पोस्टर लगाया है। देश में पूरा विपक्ष एकजुट हो गया। विपक्षी एकता की बात को दबाने के लिए भाजपा ऐसा कर रही है। हमलोगों ने 450 सीटों पर लिस्ट तैयार कर ली है, वो भी वन अगेंस्ट वन। जब पूरा विपक्ष मिलकर राजीव गांधी और इंदिरा गांधी को सत्ता से हटा सकती है तो नरेंद्र मोदी मोदी को सत्ता से हटाना कौन सी बड़ी बात है। जदयू के पूर्व मंत्री और मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि यह लोग नीतीश कुमार व्यक्तित्व से डर गए। इसलिए पोस्टर पर भाजपा वाले अपना नाम लगाने से डर रहे हैं। इनके पास सीबीआई, ईडी और आईटी सबकुछ है फिर नीतीश कुमार से डर गए हैं। उनका नाम लिए बिना भाजपा वालों का खाना नहीं पच रहा है। नीतीश कुमार के धमक दक्षिण भारत में भी पहुंच गई है इसलिए भाजपा आतंकित हो गई है।

जनता सबक सिखा देगी : भाजपा

भाजपा का कहना है कि यह पोस्टर नीतीश कुमार की सच्चाई बयां कर रही है। दरअसल, जो पोस्टर लगाए गए थे, वह अब सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहे हैं। इसमें बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तुलना भागलपुर के सुल्तानगंज पुल से की गई है। निर्माणाधीन पुल दो बार गिर चुका है। दोनों बार गिरे इस पुल के हिस्सों की तस्वीर दिखाते हुए होर्डिंग-पोस्टर में नीतीश कुमार की अस्थिरता की चर्चा की गई है। भाजपा के प्रवक्ता अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि यह पोस्टर नीतीश कुमार कुकर्म का पर्दा है। अगुवानी-गंगा पुल नीतीश सरकार की सच्चाई बयां कर रही है। नीतीश कुमार पहले होस्ट थे अब कांग्रेस के गेस्ट हो गए। पहले न्यौता लेने वाले थे, अब न्यौता लेने वाले बन गए हैं।

ये सब भाजपा की साजिश : कांग्रेस

कांग्रेस के प्रवक्ता राजेश राठौर ने कहा कि महागठबंधन के किसी भी नेता के खिलाफ जो भी पोस्टर लगाई गई है, यह महागठबंधन के किसी भी दल या कांग्रेस द्वारा नहीं लगाई गई है। सीएम नीतीश कुमार के खिलाफ जो यह पोस्टर लगाए गए हैं, वह भाजपा की साजिश है। यह भाजपा द्वारा लगाई गई है। पिछले माह पटना में विपक्षी एकता की बैठक हुई थी, उसमें 15 दल शामिल हुए थे। एक महीना के अंदर बेंगलुरु में 26 दल हो गए। जिस तरह विपक्षी एकता का बल दोगुना हो गया वहीं ह्रछ का बल आधा हो गया। विपक्ष की एकता से भाजपा वाले बौखला गए हैं। उन्हें उनके आका के कुर्सी खिसकने का डर लगने लगा है।

जमानत खारिज, पर गिरफ्तार न हो सका है अभी तक दुष्कर्म का आरोपी

मॉडल संगठनों ने कहा जल्द गिरफ्तारी हो, आंदोलन की दी चेतावनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ के थाना क्वार्सी में आरोपी सपा नेता कौशल दिवाकर की जमानत याचिका सत्र न्यायालय ने खारिज कर दिया है। मॉडल के साथ दुष्कर्म का आरोपी अब तक पुलिस की गिरफ्त में नही आ सका है।

जबकि उसके खिलाफ न्यायालय से गैर जमानती वारंट जारी किए गए थे। यह वारंट पुलिस के अनुरोध पर जारी किया गया था। गौरतलब हो कि सपा नेता का पुलिस कोई सुराग नहीं मिल रहा है। उधर खबर मिल रही है कि दिल्ली व मुंबई के मॉडल संगठनों ने पीड़िता से संपर्क कर उसका समर्थन किया है। साथ ही आरोपी को तुरंत पकड़ने की मांग की है। संगठन ने चेतावनी है कि अगर आरोपित को जल्द नहीं पकड़ा गया तो वे लोग आंदोलन करेंगे।

मॉडल ने कराई थी शिकायत दर्ज

सपा नेता पर यह पूरी कार्यवाही एक माडल द्वारा दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज करने के बाद हो रही है। शिकायतकर्ता मॉडल के अनुसार वह लोक लाज के कारण उन दिनों शिकायत नहीं कर सकी और चुप रह गई। पीड़िता ने बताया कि आरोपी सपा नेता कौशल दिवाकर यहीं नहीं रुका और उसको जबरन घुमाने फिराने ले जाने लगा। इसी दौरान मॉडल की आरोपी ने कई प्राइवेट फोटोज अपने मोबाइल में ले लिए, मॉडल इन सभी चीजों से परेशान होकर मुंबई जाकर रहने लगी और अपना काम करने लगी। किसी प्रकार वहां का एड्रेस निकालकर आरोपी मुंबई पहुंच गया और वहां भी जबरन उसने फोटो वायरल करने की धमकी देकर रेप किया। पीड़ित मॉडल उस घटना के बाद फिर से लौटकर अलीगढ़ अपने घर आ गई।

एआईएमआईएम के साथ राजनीतिक अछूत जैसा व्यवहार : पठान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने मंगलवार को हुई विपक्ष की बैठक पर निशाना साधा। कहा कि धर्मनिरपेक्ष दल एआईएमआईएम के साथ राजनीतिक अछूत जैसा व्यवहार कर रहे हैं। बता दें, असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम पार्टी को बेंगलुरु में होने वाली दो दिवसीय विपक्ष की बैठक में आमंत्रित नहीं किया गया था। एआईएमआईएम के राष्ट्रीय प्रवक्ता वारिस पठान ने कहा कि धर्मनिरपेक्ष कहे जाने वाले दलों ने हमें नहीं बुलाया, हम उनके लिए राजनीतिक अछूत हैं। जबकि कुछ ऐसे नेताओं को आमंत्रण दिया गया, जो कभी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ थे। बता दें, उनका इशारा नीतीश कुमार, उद्धव ठाकरे और महबूबा मुफ्ती पर था। उन्होंने आगे कहा कि गुजरात विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस को गाली दे रहे अरविंद केजरीवाल भी बैठक में मौजूद हैं।

एशियाई कुश्ती में सीधे दांव लगाएंगे विनेश-बजरंग

डब्ल्यूएफआई तदर्थ समिति ने दी प्रवेश की अनुमति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) की तदर्थ समिति ने ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया और विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता विनेश फोगाट को एशियाई खेलों में सीधे प्रवेश दिया। यह निर्णय हालांकि राष्ट्रीय मुख्य कोच की सहमति के बिना लिया गया। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा नियुक्त तदर्थ समिति ने एक परिपत्र में कहा कि उसने पहले ही पुरुषों की फ्रीस्टाइल 65 किग्रा और महिलाओं की 53 किग्रा में पहलवानों का चयन कर लिया है। इसके बावजूद तीनों शैलियों में से सभी छह वजन श्रेणियों में ट्रायल आयोजित किए जाएंगे।

तदर्थ समिति ने परिपत्र में बजरंग और विनेश का नाम नहीं लिया, लेकिन पैनल के सदस्य अशोक गर्ग ने पुष्टि की कि दोनों पहलवानों को ट्रायल से छूट दी गई है। वह डब्ल्यूएफआई के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने वाले छह पहलवानों में से एक हैं।

वह इस समय किर्गिस्तान के इस्सिक-कुल में प्रशिक्षण ले रहे हैं। जकार्ता एशियाई खेलों (2018) में स्वर्ण पदक जीतने वाली 53 किग्रा पहलवान विनेश हंगरी के बुडापेस्ट में प्रशिक्षण ले रही हैं।

छूट देने पर कुछ साथी नाराज

कुश्ती से जुड़े सूत्र के मुताबिक बजरंग और विनेश को छूट देने का कदम उनके साथी प्रतिस्पर्धियों को पसंद नहीं आया। इन पहलवानों ने अदालत का दरवाजा खटखटाने की चुनौती दी है। तदर्थ समिति ने 23 सितंबर को चीन के हांगझोउ में होने वाले एशियाई खेलों के लिए कुश्ती टीम का चयन करने के लिए ट्रायल से चार दिन पहले यह निर्णय लिया। ग्रीको-रोमन और महिलाओं के फ्रीस्टाइल ट्रायल 22 जुलाई को होने हैं, जबकि पुरुषों के फ्रीस्टाइल ट्रायल 23 जुलाई को नयी दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में होंगे। बजरंग 65 किग्रा वर्ग के चुनौती पेश करते हैं।

ट्रांसफॉर्मर फटा, करंट लगने से 15 की मौत

» चमोली में नमामि गंगे परियोजना के निर्माणाधीन प्रोजेक्ट में हुआ हादसा, कई घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चमोली। बीते कुछ दिनों में चमोली में बाढ़ और बारिश का कहर देखा जा रहा है। वहीं बुधवार को जिले में अलकनंदा नदी के तट पर एक बाड़ हादसा हुआ है। जहां ट्रांसफॉर्मर फटने के कारण करंट लगने से 15 लोगों की मौत हो गई है। चमोली एसपी ने बताया कि हादसे में दस लोगों की मौत हुई है। सूत्रों की मानें तो चमोली में नमामि गंगे परियोजना के तहत एक निर्माणाधीन प्रोजेक्ट पर काम चल रहा था, इसी दौरान ये हादसा हुआ है। बता दें कि अलकनंदा नदी हिमालय से निकल कर उत्तराखंड में भागीरथी नदी से आकर मिलती है। बारिश के बाद उत्तराखंड के चमोली, हरिद्वार, रुद्रप्रयाग समेत कई जिलों में बाढ़ के हालात बने हुए हैं।

इसी बीच चमोली में बुधवार को अलकनंदा नदी के किनारे एक ट्रांसफॉर्मर फटने के कारण करीब 15 लोगों की मौत हो गई है। चमोली एसपी परमेंद्र दोवल ने इस घटना के संबंध में जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि चमोली जिले में अलकनंदा नदी के किनारे ट्रांसफॉर्मर फटने से दस लोगों की मौत हो गई है। जबकि कई लोग इस हादसे में घायल हैं। एसपी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार,इस हादसे में घायल सभी लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अभी इन सभी का इलाज जारी है। वहीं उत्तराखंड के डीजीपी अशोक कुमार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार हादसे में चौकी प्रभारी की भी मौत हो गई है। चौकी इंचार्ज बदरीनाथ हाइवे पर तैनात थे। मौत के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

जोधपुर में पुरानी रंजिश में मासूम समेत 4 को जलाया

जोधपुर। राजस्थान के जोधपुर जिले में एक परिवार के चार सदस्यों को जिंदा जला दिया गया। पुरानी रंजिश में हुए इस हत्याकांड में बदमाशों ने 6 महीने के बच्चे को भी आग लगा दी। बुधवार को घर के आंग में चारों के जले हुए शव मिले है। शहर की ओसिंया तहसील के चौराई गांव में हुई इस खौफनाक वारदात को लोगों ने दहला दिया है। आशंका जताई जा रही है कि घर में सो रहे एक ही परिवार के चार सदस्यों की हत्या कर आग लगाई गई है। मरने वालों में दो महिलाएं, एक बच्ची और एक पुरुष है। सभी के शव एक झोपड़ी के जले हुए मिले हैं। सूचना के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई है। ग्रामीण एसपी धर्मेंद्र सिंह यादव और जिला कलेक्टर हिमांशु गुप्ता भी मौके पर पहुंच गए हैं। जोधपुर ग्रामीण एसपी धर्मेंद्र यादव ने बताया कि चेराई चौकी के अंतर्गत रामनगर गांव में झोपड़ी में 4 जले शव होने की सूचना पर टीम मौके पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए आला अधिकारी और जिला कलेक्टर भी मौके पर पहुंचे हैं। मौके पर पहुंची पुलिस की टीमों ने साक्ष्य जुटाए हैं।

मकान का लिंटर गिरा, चार की गयी जान

बुलंदशहर में बड़ा हादसा, मलबे में दबे एक ही परिवार के लोग

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले से दर्दनाक खबर सामने आई है। एक मकान का लिंटर गिर गया। चार लोगों की मौत की खबर है। हादसे में दो लोगों के शवों को निकाल लिया गया है, जबकि दो लोगों की हालत गंभीर है। मौके पर राहत एवं बचाव कार्य चल रहा है। जानकारी के अनुसार, बुलंदशहर जिले के नरसेना थाना इलाके के गांव मवई में देर रात मकान का लिंटर गिर गया। मलबे में परिवार के कई सदस्य दब गए। जिसमें से चार लोगों की मौत हो गयी। दो लोगों के शव निकाले जा चुके हैं, जबकि दो गंभीर घायलों को निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है। बताया जा रहा है कि मकान की दूसरी मंजिल पर मंगलवार को ही लिंटर डाला गया था। परिवार के 13 सदस्य ग्राउंड फ्लोर पर सो रहे थे। देर रात हुए हादसे के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने आनन-फानन मलबे में दबे लोगों को निकालने के प्रयास शुरू किए। सूचना मिलते ही सीओ समेत अन्य अधिकारियों की कई टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य में जुट गईं। फिलहाल राजपाल और उनकी पत्नी सुनीता की मौत की पुष्टि हो गई है। जबकि कुलदीप और धर्मेंद्र की हालत गंभीर है। उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया। फिलहाल रेस्क्यू राहत एवं बचाव कार्य चल रहा है।

फोटो:4 पीएम

किया शुभारंभ

शिक्षा सत्र 2023-24 में बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को ड्रेस, स्वेटर, स्कूल बैग, जूता-मोजा एवं स्टेशनरी क्रय के लिए प्रति छात्र-छात्रा 1,200 की धनराशि का उनके माता/पिता/अभिभावक के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से अंतरण प्रक्रिया का शुभारंभ करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

पांच संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार

» धमाके की थी योजना, विस्फोटक भी जब्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलूरू। कर्नाटक के बेंगलुरु से सेंट्रल क्राइम ब्रांच (सीसीबी) ने पांच संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान सैयद सुहेल, उमर, जनिद, मुदासिर और जाहिद के रूप में की गई है। आशंका है कि टीम ने बेंगलुरु में धमाका करने की योजना बनाई थी। यह जानकारी सेंट्रल क्राइम ब्रांच (सीसीबी) ने बुधवार को दी। सीसीबी ने बताया कि ये पांचों 2017 के एक हत्या मामले में आरोपी थे और परप्पाना अग्रहारा सेंट्रल जेल में थे जहां वे आतंकवादियों के संपर्क में आए।

सीसीबी ने विस्फोटक सामग्री भी जब्त की है। गिरफ्तार किए गए पांच संदिग्ध आतंकवादियों के पास से चार वॉकी-टॉकी, सात देसी पिस्तौल, 42 जिंदा गोलियां, दो खंजर, दो सैटेलाइट फोन और चार ग्रेनेड बरामद किए गए हैं। पांच संदिग्ध आतंकवादियों की गिरफ्तारी पर बेंगलुरु के पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने कहा कि सीसीबी उन लोगों का पता लगाने में सफल रही है जिन्होंने बेंगलुरु शहर में बर्बरता की वारदातों को अंजाम देने की योजना बनाई थी। पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है....उनके पास से सात पिस्तौल, कई जिंदा गोलियां, एक वॉकी-टॉकी और अन्य सामान बरामद किए गए हैं। फरार आरोपियों में से एक ने कुछ विध्वंसक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए गिरफ्तार लोगों को ये हथियार उपलब्ध कराए थे।

विपक्षी गठबंधन है एक मजबूर गठबंधन : मायावती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने एलान किया है कि बीएसपी लोकसभा चुनाव और इसके पहले तीन राज्यों राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में अकेले चुनाव लड़ेगी। हालांकि, हरियाणा और पंजाब में क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन कर चुनावी मैदान में उतरेगी। मायावती ने बुधवार को कहा कि विपक्षी दल सत्ता पाने के लिए गठबंधन कर रहे हैं।

उन्होंने विपक्षी गठबंधन को एक मजबूर गठबंधन बताया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने जैसी जातिवादी और पुंजीवादी ताकतों के साथ गठबंधन कर रही है। सत्ता से बाहर होने पर ही कांग्रेस को दलितों, पिछड़ों और गरीबों की याद आती है। जब सत्ता में होते हैं तो न तो भाजपा व न ही कांग्रेस को किसी की परवाह रहती है। भाजपा ने 2014 में हर गरीब के खाते में 15-15 लाख रुपये डालने का वादा किया था जो कि पूरा नहीं किया।

पुलिस की पहले से थी लाठीचार्ज की मंशा

» भाजपा टीम ने बिहार विधानसभा पैदल मार्च के दौरान पिटाई की रिपोर्ट नड्डा को सौंपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। नई शिक्षक नियमावली के विरोध, उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को चार्जशीट के आधार पर सरकार से हटाने जैसे कई मुद्दों पर 13 जुलाई को पटना में भारतीय जनता पार्टी के विधानसभा पैदल मार्च के दौरान पुलिस ने जमकर लाठीचार्ज किया था। इस घटना की जांच के लिए भाजपा ने चार सदस्यीय केंद्रीय जांच टीम पटना भेजी थी।

टीम ने पूरी जांच करने के बाद बुधवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। जांच कमिटी के संयोजक और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुबर दास ने बाकी तीनों सदस्य सांसदों मनोज तिवारी, विष्णु दयाल राम और सुनीता दुग्गल के साथ बुधवार को जेपी नड्डा से मुलाकात कर अपनी पूरी रिपोर्ट सौंपी। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि पुलिस मैनुअल को दरकिनार कर भाजपा नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों को कमर के ऊपर लाठीचार्ज किया गया। सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल समेत ज्यादा चोटिल लोगों के नाम के साथ उनकी हालत की जानकारी देते हुए उनकी आंखोंदेखी बातों के आधार पर जांच रिपोर्ट में यह भी लिखा गया है कि पुलिस पहले ही यह मंशा बनाकर बैठी थी कि उन्हें भाजपा के इस शांतिपूर्ण मार्च के दौरान नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों को घेरकर पीटना है। रिपोर्ट में 771 घायलों की सूची भी संलग्न की गई है और यह भी बताया गया है कि लाठीचार्ज के अलावा दर्जनों लोग भगदड़ में गिरकर भी घायल हुए। ऐसी ही एक भगदड़ में जहानाबाद के जिला महामंत्री विजय सिंह की मौत हो गई। रिपोर्ट में जिला प्रशासन और पुलिस के रवैये को संदिग्ध भी बताया गया है और अमानवीय भी।

प्रधानमंत्री कार्यालय को भेजेंगे रिपोर्ट

इस रिपोर्ट के बारे में औपचारिक तौर पर भाजपा की ओर से कोई बयान नहीं आया है, लेकिन माना जा रहा है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष इसपर अनुमोदन करते हुए प्रधानमंत्री कार्यालय को देंगे। भाजपा सूत्रों के अनुसार, पार्टी ने सीबीआई या न्यायिक जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट में जो अपील की है; उसमें भी इस रिपोर्ट को जोड़ा जाएगा।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।